कुमार जीवन - 81

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ **कुमारों से :-** कुमार - वारिस बना सकते हैं। कुमार माइक भी बना सकते हैं। कुमार तो गवर्मेन्ट को जगा सकते हैं। कुमार कमाल करके दिखायेंगे। वह दिन भी आना ही है। तो **कुमारों को जगाओ, समीप लाओ। उनको जगाओ कहो आप भी कुमार, हम भी कुमार, आओ तो आपको कहानियाँ सुनायें।** (15-12-2002)

➢➢ आत्माओं को कौन कौन सी कहानियां सुनानी हैं ?

➳ _ ➳ सृष्टि के आदि मध्य अंत की कहानी

➳ _ ➳ कुमार जीवन की श्रेष्ठता की कहानी

➳ _ ➳ स्वय के उत्थान और पतन की खानी

➳ _ ➳ पिंजरे के पंछी के बंधन की कहानी

➳ _ ➳ परमात्म अवतरण की कहानी

➳ _ ➳ नए विश्व के स्थापना की कहानी

➳ _ ➳ बेहद की नाटक की कहानी

➳ _ ➳ शान्ति की क्रान्ति की कहानी

➳ _ ➳ त्याग और तपस्या की कहानी

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ बापदादा को खुशी होती है और इस ग्रुप में सभी की संख्या अच्छी आई है। कुमारों की संख्या भी अच्छी आई है। देखो, कुमार अपने हमजिन्स को जगाओ। अच्छा है। कुमार यह कमाल दिखावें कि **स्वप्न मात्र पवित्रता में परिपक्व हैं।** बापदादा विश्व मं चैलेन्ज करके बताये कि ब्रह्माकुमार यूथ कुमार, डबल कुमार हैं ना। ब्रह्माकुमार भी हो और शरीर में भी कुमार हो। तो पवित्रता की परिभाषा प्रैक्किल में हो। तो ऑर्डर करें, **आपको चेक करें पवित्रता के लिए। करें ऑर्डर?** इसमें हाथ नहीं उठा रहे हैं। **मशीनें होती हैं चेक करने की। स्वप्न तक भी अपवित्रता हिम्मत नहीं रखे।**

➳ _ ➳ कुमारियों को भी ऐसा बनना है, कुमारी अर्थात पूज्य पवित्र कुमारी। कुमार और कुमारियाँ यह बापदादा को प्रोमिस करें कि हम सभी इतने पवित्र हैं जो स्वप्न में भी संकल्प नहीं आ सकता, तब कुमार और कुमारियों की पवित्रता सेरीमनी मनायेंगे। अभी थोड़ा-थोड़ा है, बापदादा को पता है। **अपवित्रता की अविद्या हो क्योंकि नया जन्म लिया ना। अपवित्रता आपके पास्ट जन्म की बात है। मरजीवा जन्म, जन्म ही ब्रह्मा मुख से पवित्र जन्म है। तो पवित्र जन्म की मर्यादा बहुत आवश्यक है।** कुमार कुमारियों को यह झण्डा लहराना चाहिए। पवित्र हैं, पवित्र संस्कार विश्व में फैलायेंगे, यह नारा लगे। सुना कुमारियों ने। देखो कुमारियाँ कितनी हैं। अभी देखेंगे कुमारियाँ यह आवाज फैलाती हैं या कुमार?

➳ _ ➳ ब्रह्मा बाप को फालो करो। अपवित्रता का नाम निशान नहीं, ब्राह्मण जीवन माना यह है। माताओं में भी मोह है तो अपवित्रता है। मातायें भी ब्राह्मण हैं ना। तो ना माताओं में, ना कुमारियों में, ना कुमारों में, ना अधरकुमार-कुमारियों में।

➳ _ ➳ ब्राह्मण माना ही है पवित्र आत्मा। **अपवित्रता का अगर कोई कार्य होता भी है तो यह बड़ा पाप है। इस पाप की सजा बहुत कड़ी है। ऐसे नहीं समझना यह तो चलता ही है। थोड़ा बहुत तो चलेगा ही, नहीं।** यह फर्स्ट सबजेक्ट है। नवीनता ही पवित्रता की है। **ब्रह्मा बाप ने अगर गालियाँ खाई तो पवित्रता के कारण। हो गया, ऐसे छूटेंगे नहीं। अलबेले नहीं बनो इसमें। कोई भी ब्राह्मण चाहे सरेण्डर है, चाहे सेवाधारी है, चाहे प्रवृत्ति वाला है, इस बात में धर्मराज भी नहीं छोड़ेगा, ब्रह्मा बाप भी धर्मराज को साथ देगा।** इसलिए कुमार कुमारियाँ कहाँ भी हो, मधुबन में हो, सेन्टर पर हो लेकिन **इसकी चोट, संकल्प मात्र की चोट बहुत बड़ी चोट है।**

➳ _ ➳ गीत गाते हो ना - पवित्र मन रखो, पवित्र तन रखो..... गीत है ना आपका। तो मन पवित्र है तो जीवन पवित्र है इसमें हल्के नहीं होना, **थोड़ा कर लिया क्या है! थोड़ा नहीं है, बहुत है। बापदादा आफीशियल इशारा दे रहा है, इसमें नहीं बच सकेंगे।** **इसका हिसाब-किताब अच्छी तरह से लेंगे, कोई भी हो।** **इसलिए सावधान, अटेन्शन। सुना - सभी ने ध्यान से। दोनों कान खोल के सुनना। वृत्ति में भी टचिंग नहीं हो। दृष्टि में भी टचिंग नहीं। संकल्प में नहीं तो वृत्ति दृष्टि क्या है!** क्योंकि समय सम्पन्नता का समीप आ रहा है, बिल्कुल प्युअर बनने का। उसमें यह चीज तो पूरा ही सफेद कागज पर काला दाग है।

(15-11-2003)

➢➢ पवित्रता ही

➳ _ ➳ आधार है

➳ _ ➳ जीयदान है

➳ _ ➳ फाउंडेशन है

➳ _ ➳ महानता है

➳ _ ➳ रॉयल्टी है

➳ _ ➳ पर्सनालिटी है

➳ _ ➳ ब्यूटी है

➳ _ ➳ मान्यता है

➳ _ ➳ नवीनता है

➳ _ ➳ नींव है

➳ _ ➳ आधारशिला है

➳ _ ➳ लॉयल्टी है

➳ _ ➳ आनेस्टी है

➳ _ ➳ पब्लिसिटी है

➳ _ ➳ स्वधर्म है

➳ _ ➳ बल है

➳ _ ➳ शक्ति है

➳ _ ➳ खजाना है

➳ _ ➳ आदि, अनादी मूल संस्कार है